web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 06 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 157

महत्वपूर्ण एवं खास

शांति के लिए ताकत जरूरी'चीन ने फिर बढ़ाया रक्षा बजट; भारत के मुकाबले तीन गुना अधिक

बीजिंग। चीन ने अपना रक्षा बजट पेश किया। पड़ोसी मुल्क ने एक बार फिर अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी करने का एलान किया है। ड्रैगन ने रक्षा खर्च के लिए 249 अरब डॉलर का बजट रखा है। यह पिछले साल के बजट की तुलना में 7.2 प्रतिशत अधिक है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के सामने पेश किए गए ड्राफ्ट बजट में इस साल चीन का रक्षा बजट 1.7 खरब युआन (249 अरब डॉलर) तय किया है। चीन अपनी सेना की ताकत बढ़ाने और अपने सैन्य हथियारों को एडवांस बनाने के लिए काफी पैसे खर्च कर रहा है। चीन की ओर से मंगलवार को कहा गया था कि शांति और संप्रभुता के लिए ताकत जरूरी है। अमेरिका को हर मोर्चे पर चीन चुनौती देना चाहता है। बता दें कि भारत के मुकाबले चीन का सैन्य बजट तीन गुना है। हाल ही में भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री ने 75 अरब डॉलर सैन्य खर्च के लिए आवंटित किए थे। चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच इस वर्ष के लगभग 5त्न विकास लक्ष्य रखा है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने व्यापार युद्ध पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के टैरिफ लगाने के फैसले से हमारी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है, लेकिन हम अमेरिका का चुनौतियों का सामने करने के लिए तैयार हैं। बता दें कि अमेरिका ने चीन से आयातित सामानों पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। वहीं, चीन ने भी अमेरिका पर 10 और 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है।

आतंकी हमले से दहला पाकिस्तान, सैन्य परिसर में धमाके से 12 की मौत; 6 दहशतगर्द भी मार गिराए

पेशावर। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में एक सैन्य परिसर में मंगलवार शाम को विस्फोटकों से भरे दो वाहनों में विस्फोट होने से 3 बच्चों सहित 12 लोगों की मौत हो गई। इस धमाके में कई लोग घायल हो गए। हमले की जिम्मेदारी एक आतंकवादी समूह ने ली है। यह हमला उस वक्त हुआ, जब लोग रमजान के पवित्र महीने में अपना उपवास खोल रहे थे। इस दौरान बड़े धमाके हुए और गोलीबारी भी हुई। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना की निंदा की और कहा कि यह दया के लायक नहीं हैं। यह हमला पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में हुआ। इस हमले में मरने वालों में 3 बच्चे और 2 महिलाएं शामिल हैं। इस हमले में 32 लोग घायल हुए हैं। एक अधिकारी के मुताबिक आत्मघाती बम विस्फोटों के बाद 12 आतंकवादियों ने परिसर पर हमला करने का प्रयास किया था और 6 हमलावरों को मार गिराया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा,विस्फोटों से 4 फुट के दो गड्ढे बन गए और उनकी तीव्रता के कारण इलाके के कम से कम 8 घर क्षतिग्रस्त हो गए। हमले की जिम्मेदारी हाफिज़ गुल बहादुर नाम के एक गुट ने ली है, जिसने 2001 से अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो गठबंधन के खिलाफ युद्ध में अफगान तालिबान का सक्रिय रूप से समर्थन किया था।

संसद में मचा बवाल, जोर-जोर से चिल्लाने लगे पीएम , भाषण के बीच घुसने लगी भीड़

इजरायल। इजरायल की संसद में उस समय बवाल हो गया जब हमास के हमले का शिकार हुए लोगों के परिजनों ने धावा बोल दिया। जिसके बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू जोर-जोर से चिल्लाने लग पड़े। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैं। दरअसल, पीएम बेंजामिन नेतन्याहू जिस वक्त संसद में भाषण दे रहे थे। उसी दौरान हमास के हमले का शिकार हुए लोगों के परिजनों ने धावा बोल दिया। ये लोग नारेबाजी करते हुए अंदर घुसना चाहते थे, लेकिन उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने गेट पर ही रोक दिया। ऐसा करने पर पीड़ितों के परिजन भड़क गए और धक्कामुक्की शुरू हो गई। यही नहीं सुरक्षाकर्मियों ने कई लोगों पर बल प्रयोग किया और उन्हें घसीटते हुए या घूंसे बरसाते हुए बाहर निकाला। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की भी खबर है और उनका इलाज कराना पड़ा। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। यही नहीं इस दौरान पीएम बेंजामिन नेतन्याहू भी चिल्लाने लगे और कुछ लोगों को फटकारते हुए नजर आए। संसद में घुसने की कोशिश करने वाले लोगों में 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले में मारे गए लोगों के परिजन शामिल थे। इसके अलावा ऐसे भी कई लोग थे, जिनके परिवार के लोगों या रिश्तेदारों को हमास के आतंकवादियों ने अगवा कर लिया था।

अब 9 घंटे नहीं, 36 मिनट में होगी केदारनाथ की यात्रा, मोदी सरकार ने इस बड़े प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली । आरएनएस

सरकार ने पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड में स्थिति तीर्थ स्थल बाबा केदारनाथ तथा सिखों के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को रोपवे की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 6811 करोड रुपए की लागत की दो परियोजनाओं के निर्माण को आज मंजूरी प्रदान की। केदारनाथ जाने में एक तरफ से कम से कम 9 घंटे का समय लगता है। रोपवे बन जाने के बाद यह यात्रा 36 मिनट में होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की आज यहां हुई बैठक में इन दोनों परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी। रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्टॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इन परियोजनाओं पर डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण-डीबीएफओटी मोड पर काम कराया जाएगा जिन्हें चार से छह वर्ष के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों रोपवे परियोजनाओं को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधीन कंपनी राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा बनाया जाएगा।

वैष्णव बताया कि उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ 12.9 किलोमीटर लम्बी रोपवे परियोजना के निर्माण पर 4081.28 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। रोपवे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह परियोजना सबसे उन्नत ट्राई-केबल डिटेचेबल गोंडोला-3एस तकनीक पर आधारित होगा जिसकी डिजाइन क्षमता 1800 यात्री प्रति घंटे प्रति दिशा होगी,जो प्रति दिन 18 हजार यात्रियों को लाने ले जाने में सक्षम होगी। एक गोंडोला मिनी बस के समान होगा जिसमें एक बार में 36 यात्री सवारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि रोपवे निर्माण से केदारनाथ की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चढ़ाई में लगने वाला 8 से 9 घंटे की अवधि घटकर महज 36 मिनट रह जाएगी। प्रस्तावित रोपवे की योजना मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान करने और सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में 3,583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ में 6 से 7 महीने में हर साल लगभग 20 लाख तीर्थयात्री पहुंचते हैं। रोपवे के निर्माण से यह संख्या 23 लाख हो जाएगी।

श्री वैष्णव ने बताया कि गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी रोपवे परियोजना को भी डीबीएफओटी मोड पर तैयार किया जाएगा। इसमें 10.55 किलोमीटर तक गोविंदघाट से घांघरिया तक और 1.85 किलोमीटर घांघरिया से हेमकुंड साहिब तक बनाया जाएगा। इस परियोजना पर 2730.13 करोड़ रुपए लागत आने का अनुमान है। करीब 15 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित हेमकुंड साहिब की यात्रा गोविंदघाट से 21 किमी की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई है। उन्होंने कहा कि इस रोपवे से हेमकुंड साहिब के दर्शन के साथ ही फूलों की घाटी का दौरा करने वाले पर्यटकों को भी सुविधा होगी जो घांघरिया से करीब चार किलोमीटर की दूरी पर है। इस तीर्थ पर हर साल करीब दो लाख यात्री पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि इस समय हेमकुंड साहिब में चार से पांच घंटे ही दर्शन हो पाते हैं। रोपवे बनने के बाद दिन में दस घंटे तक दर्शन की सुविधा संभव हो सकेगी। रोपवे के माध्यम से एक दिन में करीब 1100 यात्री आ जा सकेंगे।

एक सवाल के जवाब में सूचना प्रसारण मंत्री ने बताया कि दोनों परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र पर गहरायी से विचार किया गया है और सभी चिंताओं का समाधान किया गया है। रोपवे का संचालन उत्तराखंड रोपवे अधिनियम 2014 के अंतर्गत किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि केदारनाथ एवं हेमकुंड साहिब के लिए माल पहुंचाने के लिए भी रोपवे सेवा बहुत उपयोगी साबित होगी। सामान के परिवहन की लागत घटने से यात्रियों को भी लाभ होगा।

गुजरात गोधरा कांड : केंद्र सरकार ने 14 गवाहों की हटाई सुरक्षा, सिक्योरिटी में तैनात थे 150 सीआईएसएफ जवान

नई दिल्ली । आरएनएस

गुजरात के गोधरा कांड के गवाहों की सुरक्षा हटा दी गई है। केंद्र सरकार की तरफ से ये फैसला लिया गया है। जानकारी के मुताबिक 14 गवाहों की सुरक्षा हटाई गई है। जिन्हें सीआईएसएफ के 150 जवानों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही थी। गृह मंत्रालय ने एसआईटी की रिकमेंडेशन रिपोर्ट के आधार पर 14 गवाहों की सुरक्षा को हटाने का फैसला लिया है। गोधरा कांड पर बनी एसआईटी ने 10 नवंबर 2023 को इन गवाहों की सुरक्षा हटाने की अपनी रिपोर्ट दी थी।

27 फरवरी, 2002 को गुजरात के गोधरा में अयोध्या से लौट रहे कारसेवकों को ले जा रही साबरमती एक्सप्रेस की एक बोगी में आग लगा दी गई थी, जिसमें 58 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर दंगे भड़क उठे थे, जिसके बाद केंद्र सरकार को सेना भेजनी पड़ी थी।

यह भारत में सबसे भीषण सांप्रदायिक हिंसा में से एक थी। जिसमें 790 मुस्लिम और 254 हिंदुओं सहित 1044 लोग मारे गए थे। घटना के बाद बलात्कार, लूटपाट और संपत्ति के नुकसान, घरों और दुकानों को जलाने की भी खबरें आईं। इस कांड के बाद लगभग 2 लाख लोग विस्थापित हुए। उनमें से कई लोग अपने घरों में वापस नहीं जा सके और नए इलाकों में बस गए।

गूगल मैप ने लील ली स्टेशन मास्टर की जान, 30 फीट गहरे नाले में गिरने से हुई मौत

नई दिल्ली । आरएनएस

गूगल मैप एक बार फिर घातक साबित हुआ, ग्रेटर नोएडा में स्टेशन मास्टर की जान गई। गूगल मैप के निर्देशों का पालन करते हुए गाड़ी चला रहे स्टेशन मास्टर की कार एक गहरे नाले में गिर गई, जिससे उनकी दुखद मृत्यु हो गई। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना उस समय हुई जब स्टेशन मास्टर एक बारात में शामिल होने जा रहे थे।

यह दुखद घटना बीटा टू थाना क्षेत्र के पी 3 सेक्टर के पास घटी। मृतक की पहचान दिल्ली के मंडावली निवासी भरत भाटी के रूप में हुई है, जो स्टेशन मास्टर थे। जानकारी के अनुसार, भाटी हाल ही में एक विवाह समारोह में भाग लेने के लिए अपनी कार से जा रहे थे। जैसे ही वह केंद्रीय विहार 2 सोसायटी के सामने तेज़ गति से अपनी कार लेकर पहुंचे, रास्ता अचानक समाप्त हो गया, और उनकी कार लगभग 30 फीट गहरे नाले में जा गिरी। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया।

सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। चौकी इंचार्ज और उनके सहयोगियों ने मिलकर कार सवार को नाले से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने स्टेशन मास्टर के पास मौजूद पहचान पत्र से उनकी पहचान की और उनके परिवार को दुखद समाचार से अवगत कराया।

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि सडक़ के किनारे सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उस स्थान पर ग्रिल या रेलिंग लगी होती तो शायद स्टेशन मास्टर की जान बचाई जा सकती थी। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि स्टेशन मास्टर वर्तमान में किस स्टेशन पर कार्यरत थे। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह स्थान दुर्घटनाओं का केंद्र बन गया है, क्योंकि रास्ता अचानक बंद हो जाता है और सीधा नाले में खुलता है, जिससे चालकों को भटकाव होता है। इस हादसे के बाद, नोएडा पुलिस ने नाले के आगे बैरिकेडिंग लगा दी है।

चाईबासा में आईईडी ब्लास्ट

सीआरपीएफ 197 बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट साईं सहित 3 घायल

❐ सभी को लाया गया रांची

रांची । आरएनएस

झारखंड के चाईबासा जिले में एक बार फिर से आईईडी ब्लास्ट हुआ है. जराइकेला थाना क्षेत्र के बलीबा में हुए ब्लास्ट में कुछ जवानों के घायल होने की सूचना है. इसमें सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट साईं भी घायल हुए हैं. झारखंड पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान यह ब्लास्ट हुआ है. सभी घायलों को एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है.

बुधवार को जराइकेला थाना क्षेत्र के बलिबा में हुए ब्लास्ट में असिस्टेंट कमांडेंट सहित तीन जवान घायल हुए है. घायलों को एयरलिफ्ट कर हेलीकॉप्टर से रांची लाया जा रहा है. झारखंड पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान यह ब्लास्ट हुआ है. चाईबासा में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जा रहा है. इसी दौरान जवानों के मूवमेंट के समय ही नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी में ब्लास्ट हो गया. ब्लास्ट में सीआरपीएफ 197 बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट साई के साथ साथ अन्य दो सीआरपीएफ जवान भी घायल हुए हैं. ब्लास्ट की यह घटना उस समय हुई है जब सीआरपीएफ के डीजीपी झारखंड के दौरे पर हैं.

एक करोड़ के इनामी एनल की तलाश में चाईबासा के जंगलों में सुरक्षाबलों ने घमासान मचा रखा है. मिली जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ 197 बटालियन कोबरा जवानों के साथ साथ बम निरोधक स्क्वाड को लेकर चाईबासा के गोईलकेरा थाना क्षेत्र के बलिबा के जंगल में आईईडी क्लीन करने के लिए निकले थे. सूचना मिली थी कि इस इलाके में नक्सलियों के द्वारा बड़े पैमाने पर आईईडी जमीन के नीचे लगा कर रखा गया, सूचना पर लगातार कार्रवाई कर आईईडी को जमीन से निकाल कर नष्ट करते हुए अभियान चलाया जा रहा है. बुधवार को भी यह काम जारी था, तभी एक आईईडी में ब्लास्ट हो गया.

विस्फोट की सूचना मिलते हैं आनन-फानन में सीआरपीएफ के जवानों ने तीनों घायलों को जंगल से सुरक्षित बाहर निकाल कर हेलीपैड तक पहुंचाया, जहां हेलीकॉप्टर के माध्यम से सभी घायलों को रांची भेज दिया गया गया है.

हाइटेंशन तार की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत, मृतकों में 2 बच्चे भी शामिल

नवादा । आरएनएस

बिहार में नवादा के नारदीगंज थाना क्षेत्र के राजीव नगर इलाके में आज एक हृदयविदारक घटना घटी, जिसमें करंट लगने से दो बच्चों, एक महिला और एक पुरुष सहित चार लोगों की जान चली गई।

यह दुखद हादसा तब हुआ जब मृतक बस से उतरकर आगे की ओर जा रहे थे। वे दुर्भाग्यवश रास्ते में गिरे हुए एक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस राजगीर से वनगंगा होते हुए खिजरसराय की ओर जा रही थी. घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया है।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में ले लिया है और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों में इस दुखद घटना से शोक की लहर है।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में पुलिस चौकी के पास ग्रेनेड हमला, सुरक्षा बलों ने चलाया सर्च ऑपरेशन

बारामूला । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बीती रात एक पुलिस चौकी के पास हमले की खबर है. हालांकि, इसमें किसी जानमाल को नुकसान नहीं पहुंचा. घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान चलाया.

जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक बयान के अनुसार बारामूला में एक संदिग्ध ग्रेनेड हमले की सूचना मिली. यह घटना मंगलवार रात लगभग सवा 9 बजे के करीब हुई. पुलिस के अनुसार बारामूला के ओल्ड टाउन पुलिस पोस्ट के पीछे से धमाके जैसी आवाज सुनाई दी. इससे लोगों में दहशत फैल गई. इसकी सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई.

आनन-फानन में पुलिस दलों ने तुरंत अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी अभियान चलाया. इस दौरान देर रात पुलिस चौकी के पीछे चारदीवारी के बाहर एक ग्रेनेड पिन जैसी वस्तु बरामद की गई. पुलिस को संदेह है कि यह ग्रेनेड हमले का प्रयास था. इस विस्फोट में कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ. विस्फोट के कोई निशान नहीं पाए गए.

जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है. इलाके में अभियान जारी है. जारी बयान में कहा गया है कि बारामूला पुलिस सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है. नागरिकों से सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना निकटतम पुलिस को देने का आग्रह करती है.

भारत में महिला बेरोजगारी दर बीते 6 वर्षों में गिरकर 3.2 प्रतिशत हुई : केंद्र

नई दिल्ली । आरएनएस

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत में पिछले छह वर्षों में महिला बेरोजगारी दर तेजी से घटकर मात्र 3.2 प्रतिशत रह गई है।

देश में महिला कार्यबल की भागीदारी में सुधार लाने के लिए मसूरी में आयोजित दो दिवसीय विचार-विमर्श में मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने कहा कि यह अधिक समावेशिता और आर्थिक सशक्तिकरण की ओर बदलाव को दर्शाता है।

डावरा ने बताया कि पिछले छह वर्षों में भारत में महिला कार्यबल भागीदारी में सकारात्मक रुझान देखा गया है, जिसमें आर्थिक भागीदारी बढ़ी है, बेरोजगारी घटी है और अधिक शिक्षित महिलाएं कार्यबल में शामिल हो रही हैं।

डावरा ने कहा, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 2017-18 में 22.0 प्रतिशत से बढक़र 2023-24 में 40.3 प्रतिशत हो गया है, जबकि इसी अवधि में महिलाओं के लिए श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 23.3 प्रतिशत से बढक़र 41.7 प्रतिशत हो गई है।

उन्होंने आगे कहा, देश में महिला बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत से गिरकर 3.2 प्रतिशत रह गई है।

सरकार ने विकसित भारत 2047 के तहत महिला कार्यबल भागीदारी 70 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है।

इस विचार-विमर्श में उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास पहलों को संरेखित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, जिससे उच्च विकास वाले क्षेत्रों में महिलाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

इसके अतिरिक्त, कार्यस्थल सुरक्षा, न्यायसंगत नीतियों और लिंग-संवेदनशील श्रम कानूनों को मजबूत करना भी प्राथमिकता के रूप में उभरा। वहीं, इस कार्यक्रम में अनुपालन तंत्र, जेंडर ऑडिट और पोओएसएच को लागू करने की आवश्यकता को भी जरूरी बताया गया।

इसके अलावा, सरकार डिजिटल रोजगार प्लेटफार्मों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो महिलाओं की डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने में मदद करेगा। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) संचालित कौशल कार्यक्रमों को एकीकृत करने से भविष्य के काम में महिलाओं की समान भागीदारी भी सुनिश्चित होगी।